MINISTRY OF EDUCATION, HERITAGE AND ARTS
YEAR 12 HINDI – 2021

WORKSHEET 4 - अंक १५

पत्र लेखन **रचना – व्यक्तिगत**

नीचे दिए गए विषय पर लगभग **१४०–१५० शब्दों** का पत्र अपनी **अभ्यास पुस्तिका** में लिखिए ।

आपका नाम पुनीत/रेशमी है और आप ठाकुर रोड, लम्बासा में रहते/रहती हैं ।

जय फीजी नामक समाचार पत्र की सम्पादिका के पास पत्र लिखकर नीचे दिए गए विषय पर अपना विचार व्यक्त कीजिए ।

विषय – **आशा से बढ़कर कुछ भी नहीं**

आप निम्न तत्वों का प्रयोग करके निबन्ध तैयार कर सकते हैं ।

- आशा ही मनुष्य को जीवन में आगे बढ़ने और सफल होने के लिए प्रेरित करती है और कार्यरथ करता है ।
- अगर हमारे जीवन में कुछ पाने या कर दिखाने की आशा न होगी तो हम आलसी बैठे अपने जीवन और नसीब को कोसते रहेंगे ।
- अपनी आशा और भरोसे से ही मनुष्य जीवन में आए हर संकट का सामना करने के लिए तैयार रहता है ।
- आशा, जीवन जीना सिखाती है, संकट का समाना करना सिखाता है ।
- भले ही पहले निराशा या असफलता मिलती है पर हमें कभी आशा नहीं छोड़नी चाहिए।
- इसलिए अपने बल पर ही तो जीवन और जीवन का लक्ष्य निर्भर होता है ।
- कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती ।